

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 28 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1320 घंटे

विषय: (i) उत्तरी ओडिशा के अंदरूनी इलाकों और उससे सटे गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल के ऊपर बने गहरे अवदाब के कारण, ओडिशा में 28 तारीख को; छत्तीसगढ़ में 28 और 29 तारीख को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 29 तारीख को; विदर्भ में 29 और 30 तारीख को; पश्चिमी मध्य प्रदेश में 30 तारीख को और गुजरात क्षेत्र में 31 जुलाई, 2026 को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश (≥ 21 सेमी) होने की संभावना है।

(ii) अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में मॉनसून की बारिश सामान्य या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

आज, 28 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ ओडिशा और उत्तराखंड में बहुत ज्यादा बारिश (≥ 21 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ झारखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पूर्वी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात क्षेत्र, असम, तटीय कर्नाटक, दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक और तेलंगाना में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर है।
- ❖ आज, 28 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर, कल का गहरा अवदाब उत्तरी ओडिशा के अंदरूनी इलाकों और उससे सटे गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल के ऊपर स्थित था। इसके अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर ओडिशा, दक्षिण झारखंड और उत्तर छत्तीसगढ़ से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की बहुत संभावना है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तर-पूर्व असम के ऊपर हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक पश्चिमी हवाओं में एक 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) एक ट्रफ के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी धुरी (एक्सिस) मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर लगभग 70°E देशांतर (लॉन्गिट्यूड) के साथ 32°N अक्षांश (लैटिट्यूड) के उत्तर में स्थित है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 28 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद और उत्तराखंड में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 28-31 जुलाई और 2-3 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 28 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 28-30 जुलाई और 2-3 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 1-2 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 28-31 जुलाई और 3 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 28 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 28-30 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28-29 जुलाई और 31 जुलाई-3 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 31 जुलाई-3 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में; 30 जुलाई-3 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29-30 जुलाई और 2-3 अगस्त के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28-29 जुलाई और 3 अगस्त को; पश्चिमी राजस्थान में 30 जुलाई-2 अगस्त के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 28-29 जुलाई और 2-3 अगस्त के दौरान बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 30 जुलाई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 28-30 जुलाई के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 28-29 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 जुलाई को; पूर्वी राजस्थान में 30 जुलाई-1 अगस्त के दौरान बारिश की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 28 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 28 जुलाई-2 अगस्त के दौरान; छत्तीसगढ़ में 28 जुलाई-3 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2-3 अगस्त के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 3 अगस्त को कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 28 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; विदर्भ में 28-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ विदर्भ में 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 28 जुलाई, 30 जुलाई और 1-2 अगस्त के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 29 जुलाई और 31 जुलाई को; विदर्भ में 29-31 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ में 28-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29 जुलाई और 31 जुलाई को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 28 जुलाई और 30 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है। 28 जुलाई को विदर्भ में।
- ❖ 28 और 29 तारीख को छत्तीसगढ़ में; 29 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 29 व 30 जुलाई को विदर्भ में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 28 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 28-29 जुलाई और 1-3 अगस्त के दौरान झारखंड में; 31 जुलाई-3 अगस्त के दौरान बिहार में; और 28-30 जुलाई व 3 अगस्त को ओडिशा में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30-31 जुलाई के दौरान झारखंड में; 28-30 जुलाई के दौरान बिहार में; और 31 जुलाई-2 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 28 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 29 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में; 28 जुलाई-1 अगस्त के दौरान झारखंड में; और 28 जुलाई-3 अगस्त के दौरान बिहार में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई-3 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29 जुलाई और 2-3 अगस्त को झारखंड में; 31 जुलाई-3 अगस्त के दौरान बिहार में; और 28 जुलाई व 3 अगस्त को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 28 जुलाई को झारखंड में और 29 जुलाई को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई को ओडिशा में तेज़ हवाओं के साथ तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई को ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 28 जुलाई और 3 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में; 1-3 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जुलाई-2 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 28 जुलाई-3 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में; 28-31 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई-1 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28-31 जुलाई और 2 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में; 28 जुलाई-3 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में; 30-31 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 1 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में; 28-29 जुलाई और 2-3 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 28 जुलाई-3 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में; 28 जुलाई-1 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 28-31 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में; 28 जुलाई और 30 जुलाई-2 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 31 जुलाई-2 अगस्त के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-3 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 1-3 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा में; 29 जुलाई और 3 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में; 28-30 जुलाई और 3 अगस्त को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28-30 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने (हवा की गति 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। मराठवाड़ा में 28-31 जुलाई के दौरान; गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में 28 जुलाई-1 अगस्त के दौरान।
- ❖ कोंकण और गोवा में 28-30 जुलाई और 1 अगस्त को; मध्य महाराष्ट्र में 28-29 जुलाई और 1 अगस्त को; मराठवाड़ा में 28-30 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र में 28 और 31 जुलाई को; सौराष्ट्र और कच्छ में 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, कोंकण और गोवा में 31 जुलाई को; मध्य महाराष्ट्र में 30-31 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र में 30 जुलाई और 1-2 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ गुजरात क्षेत्र में 31 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 28 जुलाई-3 अगस्त के दौरान; उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 28 जुलाई और 30 जुलाई-3 अगस्त के दौरान; तेलंगाना में 29 जुलाई-3 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ तटीय कर्नाटक, केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में 28 जुलाई-3 अगस्त के दौरान; उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 29 जुलाई को; तेलंगाना में 28 जुलाई को काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 28-30 जुलाई के दौरान; केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में 30 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 28-31 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने (रफ़्तार 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में 28 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है; केरल और माहे और लक्षद्वीप में 28-29 जुलाई के दौरान; तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 28 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 30 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान; केरल और माहे में 28 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान; तटीय कर्नाटक और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 28 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 29 जुलाई और 1 अगस्त को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में 28-29 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 28 जुलाई और 30-31 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 28 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 29 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी:

- ❖ 28 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

उत्तरी ओडिशा के अंदरूनी इलाकों और उससे सटे गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल पर बने गहरे अवदाब के कारण समुद्र की स्थिति, मछुआरों और हवाओं के बारे में चेतावनी।

हवा को लेकर चेतावनी:

- ❖ 28 जुलाई की शाम तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर 45-55 किमी/घंटा की रफ़्तार से तेज़ हवाएं (झोंकों के साथ 65 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है और उसके बाद इनकी रफ़्तार धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ 28 जुलाई की शाम तक ओडिशा के उत्तरी अंदरूनी इलाकों और उससे सटे पश्चिम बंगाल में 45-55 किमी/घंटा की रफ़्तार से तेज़ हवाएं (झोंकों के साथ 65 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। इसके बाद, 28 तारीख की रात से 29 तारीख की दोपहर तक दक्षिण झारखंड और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ में ऐसी ही हवाएं चलने की संभावना है और फिर इनकी रफ़्तार धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ 28 जुलाई की शाम तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे इलाकों और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट के पास 40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार से तेज़ हवाएं चलने और मौसम खराब रहने की संभावना है; इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

- ❖ 28 जुलाई की शाम तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा, पश्चिम बंगाल व आंध्र प्रदेश के तटों पर समुद्र की स्थिति बहुत खराब से खराब रहने की संभावना है। इसके बाद, 29 जुलाई की सुबह तक इन्हीं इलाकों में समुद्र की स्थिति खराब बनी रहेगी। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 जुलाई की सुबह तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा, पश्चिम बंगाल व उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास न जाएं।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

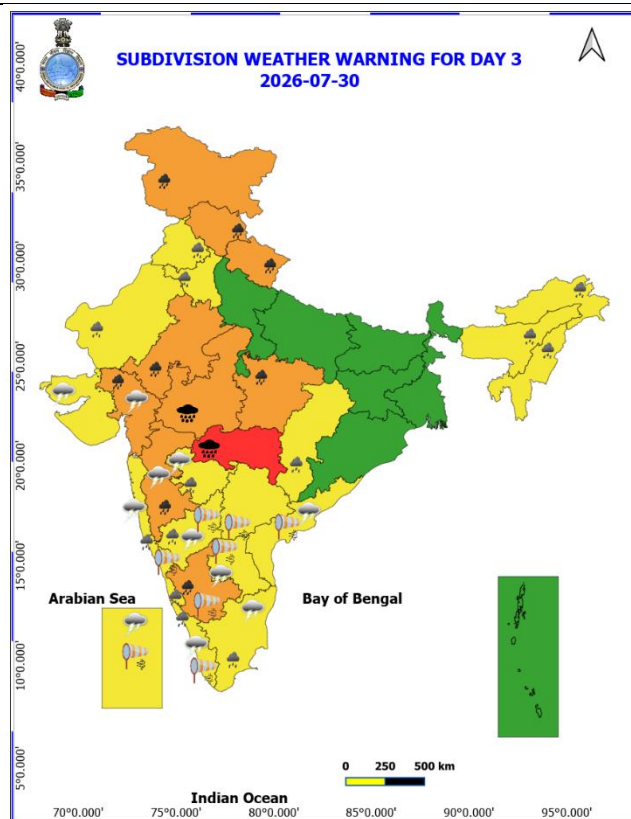
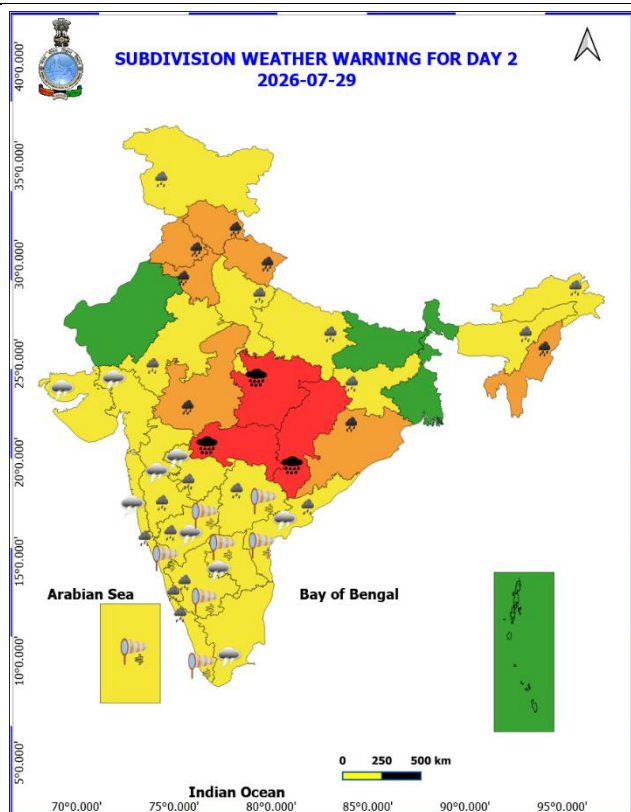
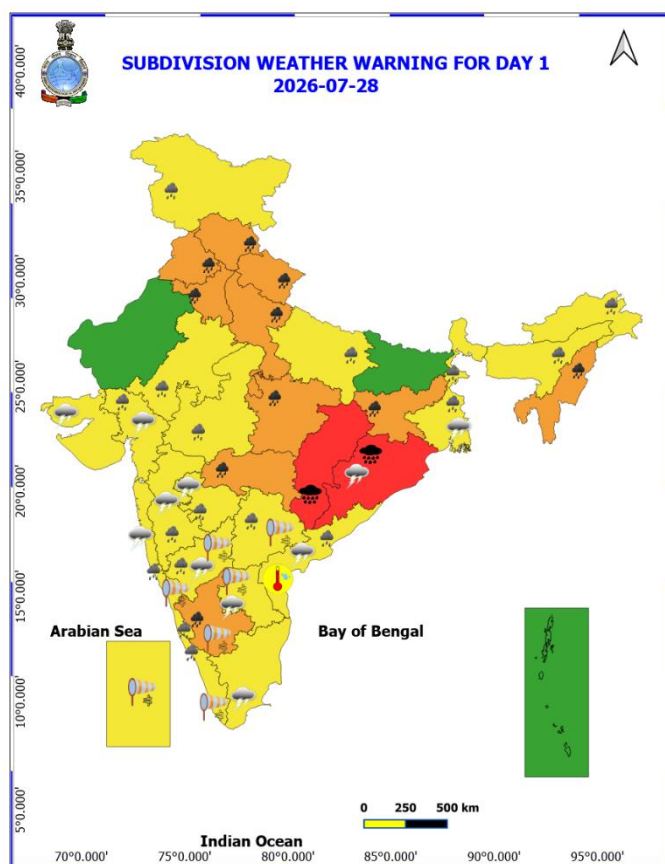
अवदाब से जुड़े राष्ट्रीय बुलेटिन के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/national_bulletin.php

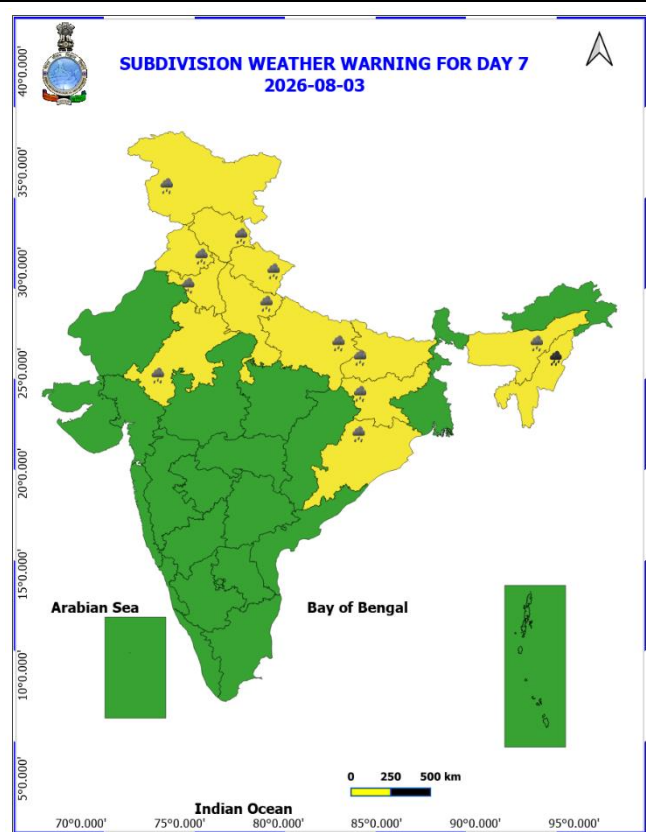
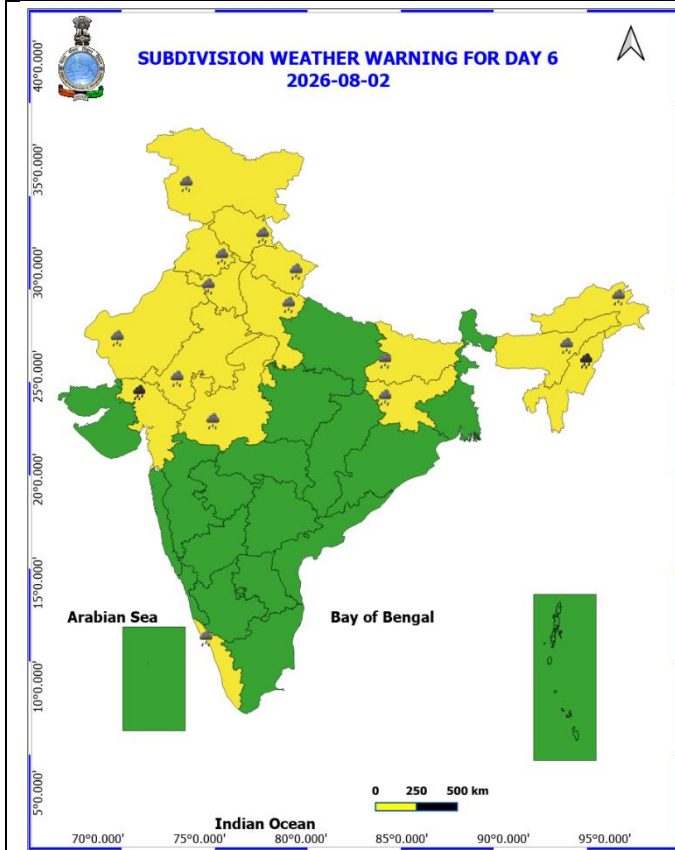
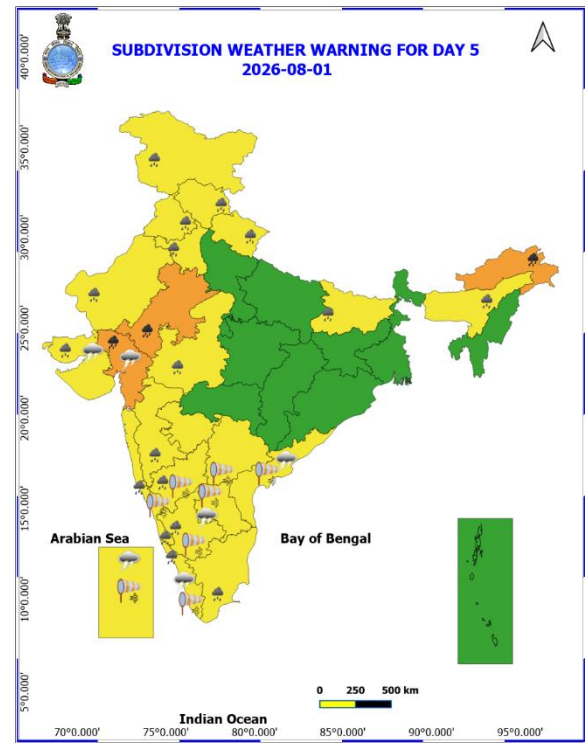
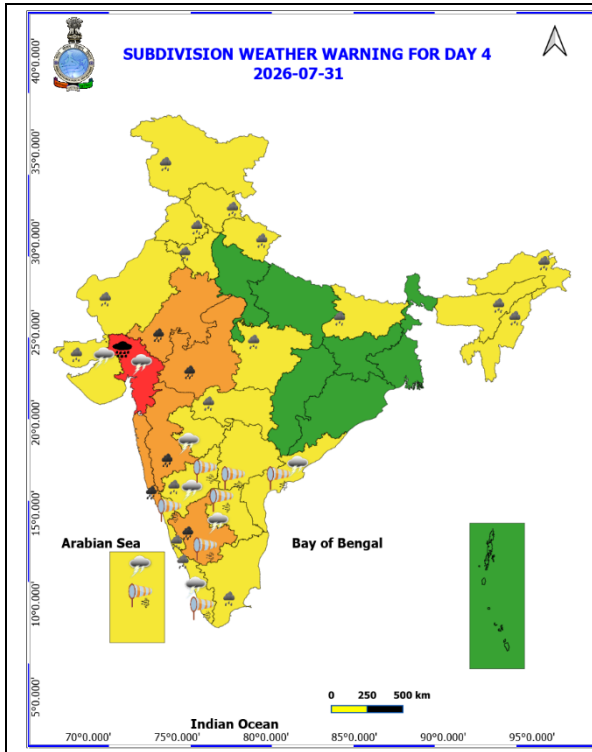
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ ओडिशा: बालेश्वर 25
- ❖ उत्तराखंड: मालदेवता 23
- ❖ झारखंड: मंझारी 17
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: महाबलेश्वर (सतारा) 17
- ❖ हिमाचल प्रदेश: जोत 14
- ❖ पंजाब: रणजीत सागर बांध 12
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: बिलहरी (कटनी) 14
- ❖ कोंकण और गोवा: सुधागढ़ पाली (रायगढ़) 13
- ❖ छत्तीसगढ़: चांपा (जांजगीर) 11
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: दुर्गाचक 8
- ❖ हरियाणा: जगाधरी 8
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: जसरासर, बीकानेर 7
- ❖ पूर्वी राजस्थान: राशमी सीनियर 7
- ❖ गुजरात क्षेत्र: जेतपुर पावी (जिला छोटा उदेपुर) 7
- ❖ असम: चुलधोवाघाट 8
- ❖ तटीय कर्नाटक: गेसोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 10
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7
- ❖ तेलंगाना: चेगुंटा (जिला मेडक) 8, वैकटपुरम (जिला मुलुगु) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	28- Jul	29- Jul	30- Jul	31- Jul	1- Aug	2- Aug	3- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	WS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
14	PUNJAB	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	FWS	WS	WS	FWS	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

28 जुलाई से 31 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी और न्यूनतम तापमान में $2-3^{\circ}\text{C}$ की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $36-38^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $23-27^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की गति से हवा चली, जिसके झोंके 32 किमी/घंटा तक पहुंचे। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

28.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश की एक या दो बार बौछारें पड़ सकती हैं और कुछ अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। रात के समय कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश की एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $28-30^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

29.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाम/रात के समय भी कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा; वहीं अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 15 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 14 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

30.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाम/रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 15 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

31.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बहुत ज्यादा/अत्यधिक भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ छत्तीसगढ़ में 28 और 29 तारीख को, पूर्वी मध्य प्रदेश में 29 तारीख को, विदर्भ में 29 और 30 तारीख को, ओडिशा में 28 तारीख को, 30 तारीख को पश्चिमी मध्य प्रदेश में और गुजरात क्षेत्र में 31 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक (conductive) पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें और खेतों की नालियों को साफ रखें। जब तक खेत की स्थिति ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का, उड़द, मूंग, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक बुवाई, सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, फसलों के खेतों, नर्सरियों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ विदर्भ में, पहले से बोई गई खरीफ फसलों जैसे कपास, अरहर, सोयाबीन, फलों के बागों और सब्जियों की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- ❖ कोंकण में, धान की रोपाई वाले खेतों, हल्दी, मूंगफली, रागी, कोदो-कुटकी, सब्जियों के खेतों और फलों के बागों में जल निकासी की अच्छी व्यवस्था बनाए रखें। लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए निचले इलाकों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में, घाट वाले इलाकों में धान की नर्सरियों, खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ जम्मू और कश्मीर में, पहले से बोई गई मक्का, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सेब व नाशपाती के बागों में बारिश का अतिरिक्त पानी जल्दी निकालने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था बनाए रखें। जहाँ खेत की स्थिति ठीक हो, वहाँ पके हुए फलों की तुड़ाई करें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, उड़द, इंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और मिर्च के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था बनाए रखें। जहाँ खेत की स्थिति ठीक हो, वहाँ पके हुए टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और खेत की स्थिति में सुधार होने तक बुवाई टाल दें।
- ❖ पंजाब और हरियाणा में, धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर और मूंगफली के खेतों और फलों के बागों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था बनाए रखें। खेत की स्थिति में सुधार होने तक मूंग की बुवाई टाल दें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, फसलों के खेतों, खासकर निचले इलाकों जहाँ पानी जमा होने का खतरा रहता है, से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ पूर्वी राजस्थान में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, कपास और अरहर के निचले खेतों में जल निकासी की अच्छी व्यवस्था बनाए रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ गुजरात में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए धान, कपास, बाजरा, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें।
- ❖ केरल में, पानी जमा होने से बचाने के लिए केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें।
- ❖ कर्नाटक में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए खेतों में पानी की निकासी के रास्ते साफ रखें और धान के खेतों, बागों और सब्जियों के खेतों से लगातार पानी निकालते रहें।
- ❖ तेलंगाना में, पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, मक्का, कपास, अरहर, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, पानी जमा रहने से बचाने के लिए सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए धान, मक्का, सोयाबीन और रागी के खेतों, बागों और निचले इलाकों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार फसल की कटाई कर लें।

- ❖ असम में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए खेतों में पानी की निकासी के रास्ते साफ रखें और धान की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों से लगातार पानी निकालते रहें। तेज़ हवाओं से बचाने के लिए केले, सब्जियों और दूसरी कमज़ोर फ़सलों को सहारा दें।
- ❖ मेघालय में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। नर्सरी की मेड़ों को मज़बूत करें और पानी की निकासी के रास्तों में कोई रुकावट न आने दें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए धान, जूट, अदरक और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम सुनिश्चित करें।
- ❖ झारखंड में, पानी जमा होने से बचाने के लिए खड़ी फ़सल वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम सुनिश्चित करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- ❖ कटी हुई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फ़सल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फ़सल को मज़बूती से बाँधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फ़सल के गिरने से बचाने के लिए बागवानी फ़सलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे या फल देने वाले पौधों को स्टैकिंग (डंडे का सहारा) या अन्य सहारा दें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ❖ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

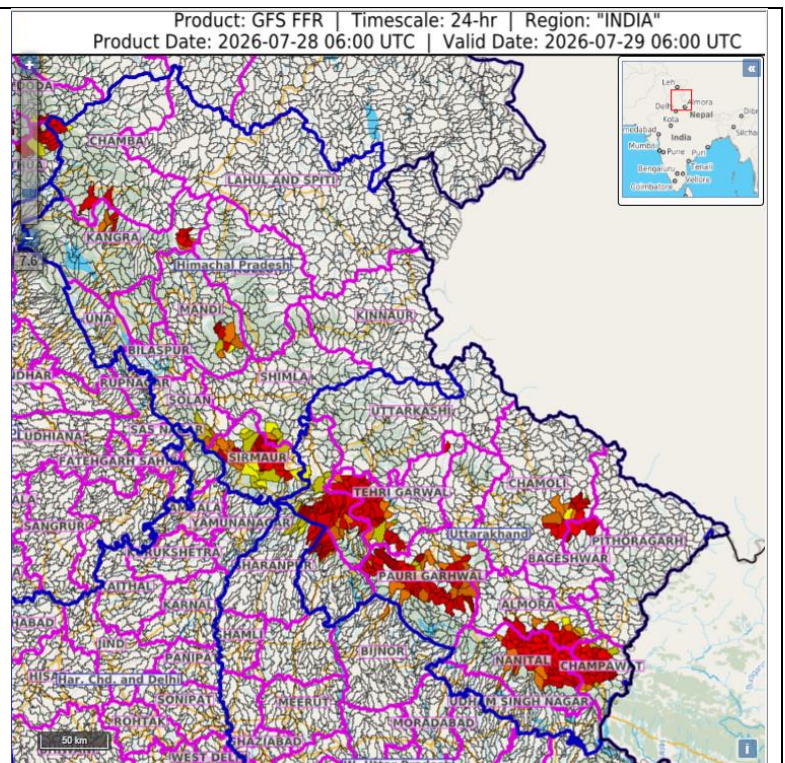
29-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर और सोलन ज़िले।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, चमोली, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, नैनीताल, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी ज़िले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह



से पानी से भरी मिट्टी (saturated soils) और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) की स्थिति बन सकती है।

29-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ के खतरे (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

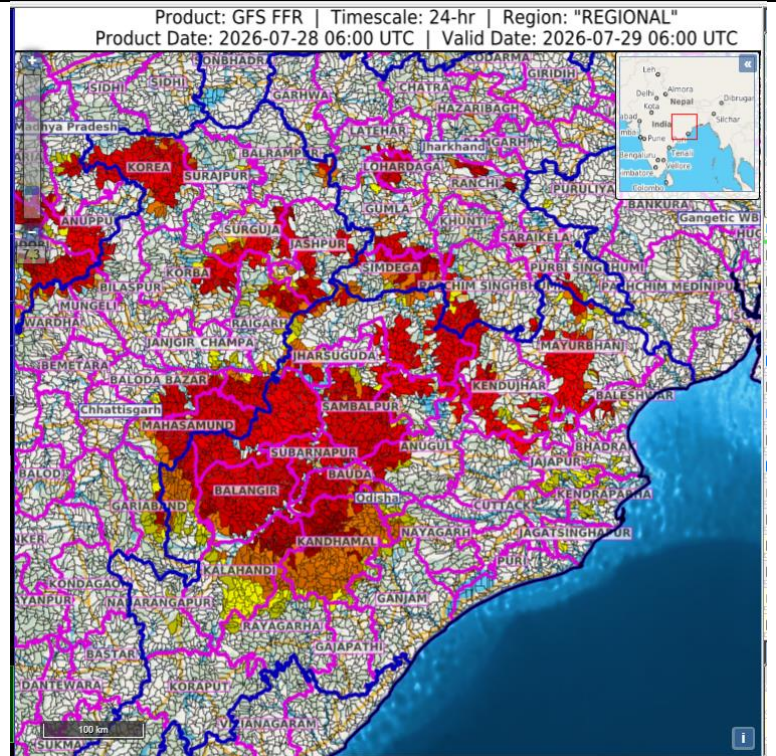
अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ - बलरामपुर, जशपुर, कोरिया, कोरबा, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, महासमुंद, रायगढ़ और सरगुजा जिले।

ओडिशा - अंगुल, बालासोर, बालेश्वर, झारसुगुड़ा, बरगढ़, भद्रक, देवगढ़, केंद्रपाड़ा, क्यौंझरगढ़, मयूरभंज, नवरंगपुर, बलांगीर, कंधमाल, बौध, सुबर्णपुर और सोनपुर जिले।

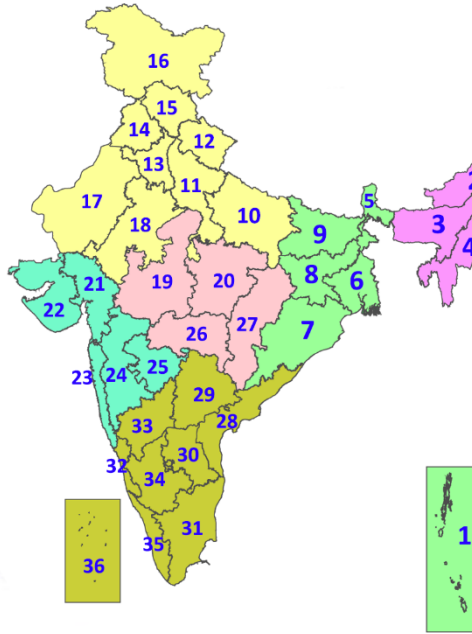
झारखंड - पूर्वी सिंहभूम, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लोहरदगा, रांची, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव की स्थिति बन सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)